Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

B.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम
न्यायदर्शन – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्यायदर्शन में वर्णित षोड्श पदार्थों का विस्तृत वर्णन करें।
2. गौतम ऋषि के अनुसार प्रमेय कितने प्रकार के हैं? सप्रमाण व्याख्या करें।
3. न्यायदर्शन के अनुसार संशय के लक्षण एवं भेदों की प्रमाण सहित व्याख्या करें।
4. न्यायदर्शन कितने प्रकार के प्रमाणों को मानता है। विस्तारपूर्वक लिखें।
5. वैदिक शब्दों की प्रामाणिकता को पूर्व पक्ष परिहारपूर्वक सिद्ध करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. 'कालातीत' नामक हेत्वाभास का वर्णन करें।
2. व्यक्ति, जाति एवं आकृति को प्रमाणपूर्वक परिभाषित करें।
3. पञ्चाऽवयव के सिद्धान्त को कोई एक उदाहरण देकर समझाइये।
4. "दुःखजन्मप्रवृत्तिदोषमिथ्याज्ञानानामुत्तरोत्तरापायेतदनन्तरापायादपवर्गः इस सूत्र की व्याख्या करें।
5. संशय का लक्षण बताते हुए प्रकारों का भी वर्णन करें।
6. सिद्धांत का लक्षण बताते हुए उसके प्रकारों का भी वर्णन करें।
7. न्यायदर्शन की शैली का वर्णन करते हुए यह भी बतायें कि न्याय किस विद्या के अन्तर्गत आता है।

----------X----------